3 अनुसन्धान की गुणात्मक पद्धतियाँ : अवलोकन
[QUALITATIVE METHODS OF RESEARCH : OBSERVATION]

प्रत्येक वैज्ञानिक अनुसन्धान में अवलोकन प्राथमिक और गुणात्मक तथ्यों को एकत्रित करने की एक महत्वपूर्ण पद्धति है। अवलोकन केवल वैज्ञानिक अनुसन्धान का ही आधार नहीं है बल्कि अपने दैनिक जीवन में चारों ओर की घटनाओं को देखने और समझने में भी अवलोकन की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है। इसके पश्चात् भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि सभी अवलोकन वैज्ञानिक अवलोकन नहीं होते। अवलोकन वैज्ञानिक तभी होता है जब वह पूर्णतया नियोजित हो, सैद्धान्तिक मान्यताओं से सम्बन्धित हो तथा उसका व्यवस्थित ढंग से उपयोग किया जाये। यह सच है कि अतीत में अनेक सामान्य अवलोकनों के द्वारा महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सिद्धान्तों का निर्माण हुआ है लेकिन यह एक नियम नहीं बल्कि आकस्मिक घटना है। उदाहरण के लिए, न्यूटन द्वारा प्रस्तुत गुरुत्वाकर्षण का नियम तथा रेडियो और पेन्सिलीन की खोज सामान्य अवलोकन से ही सम्भव हो सकी लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि सामान्य अवलोकन के द्वारा सदैव ही महत्वपूर्ण सिद्धान्तों का निर्माण किया जा सकता है। इसका तात्पर्य यह है कि व्यवस्थित अवलोकन ही वैज्ञानिक अनुसन्धान का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। इसी दृष्टिकोण से **जॉन डोलार्ड** (John Dollard) ने लिखा है, "अनुसन्धान की सबसे प्राथमिक प्रविधि मानवीय अनुभवों पर आधारित वह अवलोकन है जिसके द्वारा महत्वपूर्ण घटनाओं को ज्ञात किया जा सकता है।"[1]

वास्तविकता यह है कि सामाजिक अध्ययनों के लिए अवलोकन की उपयोगिता प्राकृतिक अध्ययनों से अधिक है। इसका कारण यह है कि किसी भी सामाजिक घटना का अध्ययन अवलोकन के बिना नहीं किया जा सकता। व्यावहारिक रूप से यदि हम किसी समुदाय में रहने वाले लोगों से यह पूछें कि आप किस प्रकार रहते हैं अथवा किसी विशेष परिस्थिति में कैसा व्यवहार करते हैं तो उनसे प्राप्त उत्तर से हम उतनी अच्छी जानकारी प्राप्त नहीं कर सकते जितना कि स्वयं अवलोकन करके यह जान सकते हैं कि वे किस प्रकार रहते हैं अथवा कैसा व्यवहार प्रदर्शित करते हैं ? इस प्रकार स्पष्ट होता है कि अवलोकन सामाजिक सर्वेक्षण तथा अनुसन्धान की प्रविधियों में एक महत्वपूर्ण प्रविधि है लेकिन कभी-कभी इसके द्वारा स्वतन्त्र रूप से भी सामाजिक घटनाओं को समझना और सामग्री का संकलन करना सम्भव हो जाता है। इसी कारण किसी भी सामाजिक अध्ययन में अवलोकन को सामग्री संकलन की एक महत्वपूर्ण प्रविधि के रूप में देखा जाता है।

अवलोकन क्या है ?
(WHAT IS OBSERVATION ?)

सामान्य शब्दों में कहा जा सकता है कि अवलोकन का तात्पर्य एक विशेष विषय से सम्बन्धित घटनाओं को व्यवस्थित रूप से देखना तथा अपनी बुद्धि और कुशलता के आधार पर घटनाओं के कार्य-कारण सम्बन्ध को समझना है। इसी दृष्टिकोण से हम अवलोकन को 'निरीक्षण' अथवा 'प्रेक्षण' जैसे शब्दों द्वारा भी स्पष्ट करते हैं। सामाजिक अनुसन्धान की एक व्यवस्थित प्रणाली के रूप में अवलोकन को परिभाषित करते हुए **मोजर** (C. A. Moser) ने अत्यधिक संक्षेप में लिखा है कि "अवलोकन का तात्पर्य कानों अथवा वाणी के स्थान पर स्वयं अपनी दृष्टि का अधिकाधिक उपयोग करना है।"[2] इसका तात्पर्य यह है कि जब हम किसी व्यक्ति द्वारा कही गयी अथवा सुनी हुई बात पर ही विश्वास नहीं करते बल्कि घटनाओं को स्वयं देखकर उन्हें समझने का प्रयत्न करते हैं तो अध्ययन की इस प्रविधि को हम अवलोकन कहते हैं।

1 John Dollard, Quoted in John Madge's, *The Tools of Social Science*, p. 117.

2 "Observation implies the use of the eyes rather than that of the ears and the voice."
—C. A. Moser, *Survey Methods in Social Investigation*.

Scanned with CamScanner

पी. वी. यंग के अनुसार, "अवलोकन घटनाओं के स्वाभाविक रूप से घटित होते समय नेत्रों द्वारा किया गया सुव्यवस्थित और सुविचारित (Deliberate) अध्ययन है।"[1] इस कथन के द्वारा यंग ने स्पष्ट किया है कि अवलोकन में एक नियोजन (Planning) तथा व्यवस्था का होना अत्यधिक आवश्यक है तथा इसका उद्देश्य घटनाओं को उसी समय देखना होता है जब वे स्वाभाविक रूप से घटित हो रही होती हैं। अवलोकन के कार्य-क्षेत्र को स्पष्ट करते हुए **श्रीमती यंग** ने आगे लिखा है कि "अवलोकन प्रविधि वह प्रविधि है जिसका उपयोग सामूहिक व्यवहार, जटिल सामाजिक संस्थाओं तथा किसी सामाजिक सम्पूर्णता का निर्माण करने वाली विभिन्न इकाइयों की जाँच करना होता है।"[2]

ऑक्सफोर्ड शब्दकोश (Oxford Concise Dictionary) में कहा गया है कि "समग्र में घटित होने वाली घटनाओं के कार्य-कारण सम्बन्ध को ध्यान में रखते हुए उन्हें यथार्थ रूप में देखना और लिखना ही अवलोकन है।"[3] इसका तात्पर्य यह है कि यदि हम किसी घटना को देखकर कार्य-कारण सम्बन्ध की खोज न कर सकें तो ऐसे 'देखने' मात्र को अवलोकन नहीं कहा जा सकता।

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट हो जाता है कि अवलोकन प्राथमिक सामग्री को संकलन करने की एक महत्वपूर्ण प्रविधि है। अध्ययनकर्ता यह अवलोकन प्रत्यक्ष रूप से भी कर सकता है तथा अप्रत्यक्ष रूप से भी लेकिन प्रत्येक स्थिति में अवलोकन-कार्य का व्यवस्थित होना अत्यधिक आवश्यक है। अवलोकन की प्रकृति को स्पष्ट करने के लिए इसकी निम्नांकित विशेषताओं को समझना आवश्यक है—

(1) अवलोकन **मानवीय इन्द्रियों** (Human Senses) **के व्यवस्थित उपयोग से सम्बन्धित है।** इस प्रविधि के उपयोग में अध्ययनकर्ता विभिन्न सूचनाओं को सतर्क रहकर सुनने के साथ ही अपनी वाक्-शक्ति का भी प्रयोग करता है लेकिन सबसे अधिक जोर नेत्रों द्वारा घटनाओं को देखने पर दिया जाता है। इस प्रकार कोई भी अवलोकन ज्ञानेन्द्रियों के समुचित उपयोग से ही सम्भव है।

(2) अवलोकन एक **उद्देश्यपूर्ण और सुविचारित** (Purposive and Deliberate) प्रणाली है। अध्ययनकर्ता जब तक यह निर्धारित नहीं कर लेता कि उसके अध्ययन के उद्देश्य क्या हैं तथा वह किस प्रकार विभिन्न तथ्यों को व्यवस्थित रूप से देख सकता है, तब तक अवलोकन की प्रविधि का समुचित उपयोग नहीं किया जा सकता।

(3) **अवलोकन प्रविधि की एक महत्वपूर्ण विशेषता इसके द्वारा घटनाओं का सूक्ष्म अध्ययन** होना है। अध्ययनकर्ता घटनाओं को जब स्वयं घटित होते हुए देखता है तो उनके सूक्ष्म पक्ष का भी गहन अध्ययन करना सम्भव हो जाता है।

(4) अवलोकन **सामाजिक अनुसन्धान की एक प्रत्यक्ष विधि है।** इसके अन्तर्गत अध्ययनकर्ता न केवल घटनाओं को स्वयं देखकर प्राथमिक सामग्री का संकलन करता है बल्कि उत्तरदाताओं से मिलकर विभिन्न घटनाओं के प्रति उनकी प्रतिक्रियाओं को भी समझने का प्रयत्न करता है। इसी कारण अवलोकन को प्राथमिक सामग्री के संकलन का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है।

(5) अवलोकन इस दृष्टिकोण से एक वैज्ञानिक प्रविधि है कि इसके द्वारा एकत्रित किए गए तथ्य अधिक विश्वसनीय होते हैं। यह एक सामान्य नियम है कि सुनी हुई बातों की अपेक्षा स्वयं देखी गई घटनाएँ अधिक प्रामाणिक होती हैं।

(6) अवलोकन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न सामाजिक घटनाओं के बीच पाए जाने वाले **कार्य-कारण सम्बन्धों को ज्ञात करना** होता है। घटनाओं के सूक्ष्म और गहन अवलोकन से ऐसा सम्बन्ध ज्ञात करना और भी सरल हो जाता है।

(7) अवलोकन एकमात्र ऐसी प्रविधि है जिसके द्वारा **सामूहिक व्यवहार का अध्ययन** किया जाता है। सामूहिक व्यवहार अचानक उत्पन्न होता है तथा इसकी पुनरावृत्ति की कोई सम्भावना नहीं होती। इस स्थिति में अध्ययनकर्ता सामूहिक व्यवहार की विशेषताओं को केवल स्वयं ही देखकर ज्ञात कर सकता है।

---

1 "Observation is a systematic and deliberate study through the eyes of the spontaneous occurrences at the time they occur." —P. V. Young, *Scientific Social Survey and Research*, p. 154.

2 ".....One of the methods for scrutinizing collective behaviour and complex social institutions as well as separate units composing a totality." —P. V. Young, *Ibid.*

3 "Observation means ".....accurate watching and nothing of phenomena as they occur in nature with regard to cause and effect or mutual relations." —*Oxford Concise Dictionary.*

Scanned with CamScanner

अवलोकन के प्रकार
(TYPES OF OBSERVATION)

अवलोकन की प्रकृति, कार्य-विधि तथा व्यापकता को समझने के लिए यह आवश्यक है कि अवलोकन के उन सभी स्वरूपों को स्पष्ट किया जाए जिनके माध्यम से विभिन्न प्रकार की सामाजिक घटनाओं का अध्ययन किया जा सकता है। सामाजिक घटनाएँ इतनी विविधतापूर्ण होती हैं कि अवलोकन की किसी एक प्रणाली के द्वारा ही सभी का अध्ययन नहीं किया जा सकता। कुछ दशाएँ ऐसी होती हैं जिनका अवलोकन एक अकेला अध्ययनकर्ता ही कर सकता है, जबकि अनेक दूसरी परिस्थितियों का अवलोकन करने के लिए अध्ययनकर्ताओं के दल की आवश्यकता होती है। कुछ घटनाएँ इस प्रकार की होती हैं जिनके अध्ययन के लिए अवलोकनकर्ता (Observer) को पूरी स्वतन्त्रता मिलना आवश्यक है, जबकि अनेक परिस्थितियों में नियन्त्रित अवलोकन के द्वारा ही सामग्री का उपयोगी रूप से संकलन सम्भव हो पाता है। इन सभी दशाओं को ध्यान में रखते हुए अवलोकन के विभिन्न प्रकारों को निम्न चार्ट की सहायता से समझा जा सकता है—

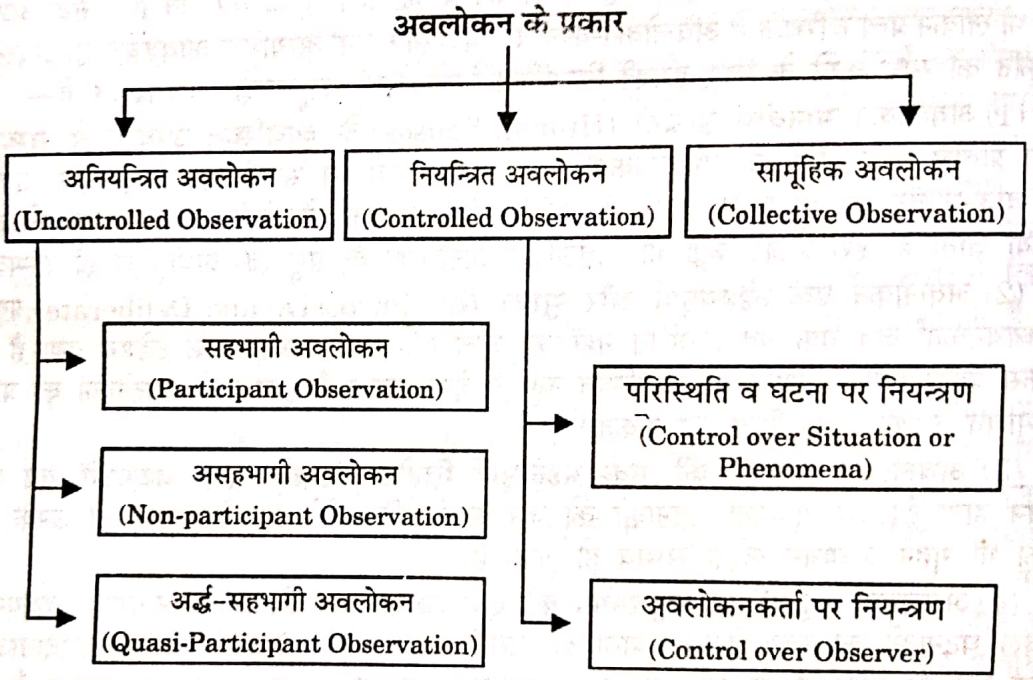

अनियन्त्रित अवलोकन
(UNCONTROLLED OBSERVATION)

जैसा कि नाम से स्पष्ट है, अनियन्त्रित अवलोकन एक ऐसी प्रविधि है जिसमें अध्ययनकर्ता अथवा अध्ययन-विषय को नियन्त्रित किये बिना ही घटनाओं का उनके वास्तविक रूप में निरीक्षण किया जाता है। इसके अन्तर्गत घटनाएँ जिस रूप में घटित हो रही हैं, उन्हें उनके स्वाभाविक रूप में देखने का प्रयत्न किया जाता है। ऐसे अवलोकन की न तो कोई विशेष संरचना होती है और न ही इसका नियोजन बहुत औपचारिक प्रकृति का होता है। यही कारण है कि **जहोदा** और **कुक** ने ऐसे अवलोकन को 'असंरचित अवलोकन' (Unstructured Observation) कहा है, जबकि **गुडे** और **हाट** ने इसे 'साधारण अवलोकन' (Simple Observation) के नाम से सम्बोधित किया है। इसके अतिरिक्त, अनियन्त्रित अवलोकन को 'अनिर्देशित अवलोकन' (Undirected Observation), 'अनौपचारिक अवलोकन' (Informal Observation) तथा 'मुक्त अवलोकन' (Open Observation) जैसे नामों से भी सम्बोधित किया जाता है।

अनियन्त्रित अवलोकन को परिभाषित करते हुए **पी. वी. यंग** ने लिखा है, "अनियन्त्रित अवलोकन में हम वास्तविक जीवन से सम्बन्धित परिस्थितियों की सावधानीपूर्वक जाँच करते हैं। इसमें यथार्थता उत्पन्न करने वाले यन्त्रों का प्रयोग करने अथवा देखी गयी घटनाओं की शुद्धता की

Scanned with CamScanner

जाँच करने का प्रयत्न नहीं किया जाता।''[1] सामाजिक अनुसन्धान में अनियन्त्रित अवलोकन के महत्व को बताते हुए **गुडे** और **हाट** का कथन है कि ''सामाजिक सम्बन्धों के विषय में जो कुछ भी ज्ञान प्राप्त किया गया है वह अनियन्त्रित अवलोकन के द्वारा ही प्राप्त किया जा सका है, यह अवलोकन चाहे सहभागी हो अथवा असहभागी।''[2] वास्तविकता यह है कि अधिकांश सामाजिक घटनाओं की प्रकृति इस प्रकार की होती है कि उन्हें नियन्त्रित नहीं किया जा सकता। इस स्थिति में अनियन्त्रित अवलोकन ही वह महत्वपूर्ण तरीका है जिसके द्वारा सामाजिक घटनाओं का उनके यथार्थ रूप में अध्ययन किया जा सकता है। सभी अनियन्त्रित अवलोकन भी समान प्रकृति के नहीं होते। अनियन्त्रित अवलोकन की प्रकृति को इसके तीन प्रमुख स्वरूपों के आधार पर समझा जा सकता है—

Scanned with CamScanner